CBSE Class 06 Hindi
NCERT Solutions
पाठ-04 चाँद से थोड़ी-सी गप्पें

---

1. कविता में 'आप पहने हुए हैं कुल आकाश' कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?
उत्तर:- कविता में 'आप पहने हुए हैं कुल आकाश' कहकर लड़की कहना चाहती है कि 'चाँद' तारों से जड़ी हुई चादर ओढ़कर बैठा है।

---

2. 'हमको बुद्धू ही निरा समझा है !' कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?
उत्तर:- 'हमको बुद्धू ही निरा समझा है !' कहकर लड़की वह कहना चाहती है कि उसे पता है कि चाँद को कोई बीमारी है जो ठीक होने का नाम नहीं ले रही है। इस बीमारी के कारण कभी वे घटते जाते हैं तो कभी बढ़ते-बढ़ते इतने बढ़ते हैं कि पूरे गोल हो जाते हैं।

---

3. आशय बताओ -
'यह मरज़ आपका अच्छा ही नहीं होने में आता है।'
उत्तर:- कवि 'श्री शमशेर बहादुर सिंह 'प्रस्तुत पंक्ति द्वारा यह कहना चाहते हैं कि उसे पता है कि चाँद को कोई बीमारी है जो ठीक होने का नाम नहीं ले रही है। इस बीमारी के कारण कभी वे घटते जाते हैं तो कभी बढ़ते-बढ़ते इतने बढ़ते हैं कि पूरे गोल हो जाते हैं।

---

4. कवि ने चाँद से गप्पें किस दिन लगाई होंगी? इस कविता में आई बातों की मदद से अनुमान लगाओ और इसके कारण भी बताओ।
दिन कारण
पूर्णिमा ......
अष्टमी ......
अष्टमी से पूर्णिमा के बीच ....
प्रथमा से अष्टमी के बीच ....
उत्तर:- 'गोल हैं खूब मगर
आप तिरछे नजर आते हैं ज़रा ।'
अर्थात् चाँद की गोलाई थोड़ी तिरछी हैं यानि पूर्णिमा होने में एक-या-दो दिन बाकी हैं ।
कवि की उपर्युक्त पंक्ति के आधार पर हम कह सकते हैं कि कवि ने चाँद से गप्पें अष्टमी के दिन लगाई होंगी।

---

5. नई कविता में तुक या छंद की बजाय बिंब का प्रयोग अधिक होता है, बिंब वह तस्वीर होती है जो शब्दों को पढ़ते समय हमारे मन में उभरती है। कई बार कुछ कवि शब्दों की ध्वनि की मदद से ऐसी तस्वीर बनाते हैं और कुछ कवि अक्षरों या शब्दों को इस तरह छापने पर बल देते हैं कि उनसे कई चित्र हमारे मन में बनें। इस कविता के अंतिम हिस्से में चाँद को एकदम गोल बताने के लिए कवि

ने बि ल कू ल शब्द के अक्षरों को अलग-अलग करके लिखा है। तुम इस कविता के और किन शब्दों को चित्र की आकृति देना चाहोगे? ऐसे शब्दों को अपने ढंग से लिखकर दिखाओ।

उत्तर:- 1. गो - ल

2. ति - र - छे

3. बि - ल - कु - ल

• भाषा की बात

6. चाँद संज्ञा है। चाँदनी रात में चाँदनी विशेषण है।

नीचे दिए गए विशेषणों को ध्यान से देखो और बताओ कि कौन-सा प्रत्यय जुड़ने पर विशेषण बन रहे हैं। इन विशेषणों के लिए एक-एक उपयुक्त संज्ञा भी लिखो -गुलाबी पगड़ी / मखमली घास / कीमती गहने / ठंडी रात / जंगली फूल / कश्मीरी भाषा

उत्तर:-

विशेषण	प्रत्यय	एक और संज्ञा शब्द
गुलाबी	ई	गुलाबी साड़ी
मखमली	ई	मखमली कालीन
कीमती	ई	कीमती वस्त्र
ठंडी	ई	ठंडी हवा
जंगली	ई	जंगली जानवर
कश्मीरी	ई	कश्मीरी पोशाक

7. गोल-मटोल गोरा-चिट्टा

कविता में आए शब्दों के इन जोड़ों में अंतर यह है कि चिट्टा का अर्थ सफ़ेद है और गोरा से मिलता-जुलता है जबकि मटोल अपने-आप में कोई शब्द नहीं है। यह शब्द 'मोटा' से बना है। ऐसे चार-चार शब्द युग्म सोचकर लिखो और उनका वाक्यों में प्रयोग करो।

उत्तर:- 1. मेल-जोल - हमें सबसे मेल-जोल बनाए रखना चाहिए।

2. अच्छा-बुरा - बच्चों को अपने अच्छे-बुरे का ज्ञान नहीं होता।

3. आज-कल - आज-कल महँगाई बढ़ गई है।

4. सुख-दुःख - सुख-दुःख जीवन के दो पहलू हैं ।

8. 'बिलकुल गोल' - कविता में इसके दो अर्थ हैं -

(क) गोल आकार का

(ख) गायब होना !

ऐसे तीन शब्द सोचकर उनसे ऐसे वाक्य बनाओ कि शब्दों के दो-दो अर्थ निकलते हों।

उत्तर:- 1 वर -

(क) लता के लिए एक सुयोग्य वर (दूल्हा) की तलाश है।

(ख) भगवान वरूण ने लकड़हारे को तीन वर(वरदान) माँगने के लिए कहा।

2 अर्थ -

(क) अर्थ (धन) प्राप्ति के लिए मेहनत करना ज़रूरी होता है।

(ख) काव्य पंक्तियों का अर्थ(मतलब) स्पष्ट कीजिए।

3 कनक -

(क) इस वर्ष कनक (गेहूँ) की खेती अच्छी हुई है।

(ख) इस वर्ष सीमा ने कनक (सोने) के कंगन बनवाए।

---

9. जोकि, चूँकि, हालाँकि - कविता की जिन पंक्तियों में ये शब्द आए हैं, उन्हें ध्यान से पढ़ो। ये शब्द दो वाक्यों को जोड़ने का काम करते हैं। इन शब्दों का प्रयोग करते हुए दो-दो वाक्य बनाओ।

उत्तर:-

जोकि - नीम का तेल जोकि गंध व स्वाद में कड़वा होता है; प्रथम श्रेणी का कीटाणुनाशक होता है। यह एक लड़के की कहानी है जिसका नाम मोहन है जोकि दिल्ली में आया था !
चूँकि - चूँकि प्रश्न कठिन थे इसलिए मैं उत्तर नहीं लिख पाया। चूँकि आज तेज बारिश थी इसलिए मैं आज स्कूल नहीं जा सका।
हालाँकि - हालाँकि आज बारिश तेज़ है फिर भी मुझे काम पर जाना ही होगा। हालाँकि मुझे तुम्हारा उत्तर पता है फिर भी मैं तुमसे सुनना चाहता हूँ।

---

10. गप्प, गप-शप, गप्पबाज़ी - क्या इन शब्दों के अर्थ में अंतर है? तुम्हें क्या लगता है? लिखो।

उत्तर:- गप्प - बिना काम की बात।

गप-शप - इधर -उधर की बातचीत।

गप्पबाज़ी - कुछ झूठी, कुछ सच्ची बात।